एम.एच.डी.-15

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2008

एम.एच.डी.-15 : हिन्दी उपन्यास-2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ एवं प्रसंग-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) दौलू मामा, तुम लाहौर की कितनी गलियों के कितने बच्चों के मामा थे । तुम उम्र भर रोज़ाना सैकड़ों बच्चों को हँसा-हँसा कर आज उन्हें फूट-फूट कर रोते छोड़ गये हो । इन भोले बच्चों का खिलौना किस ज़ालिम ने छीन लिया ? मामा किसका दुश्मन था ? मामा न यूनियनिस्ट मंत्रिमंडल से मतलब रखता था न लीग की वज़ारत से । वह तो मानव था, केवल निरीह मानव । उसका ख़ून मानवता का ख़ून है । बेबस मानव का ख़ून है । मानवता के ख़ून की इस प्यास को कौन भड़का रहा है ?

(ख) दोस्तो-यारो, दिल्ली में अपनी-अपनी प्रीतें-मोहब्बतें धारकर माई हीर को सलाम करो । हीर और राँझा दोनों हमारी इस मजलिस में शामिल हैं । लोक आख्यान डालते हैं कि जितनी बार इस अलबेले जोड़े के प्रीति-प्यार के गीत दुनिया में गाए जाएँगे, उतनी बार हुस्न के महताब चमकेंगे आशिक़ों के दिलों में ! जितनी बार हीर के दरदीले सुर हवा में लहराएँगे उतनी बार हीर सयालों की, राँझा तख़्त हज़ारे का, अपनी रूहों से इन मजलिसों में शामिल होंगे ।

(ग) तो माणिक मुल्ला बोले, "यह सच है, पर जब पूरी व्यवस्था में बेईमानी है तो एक व्यक्ति की ईमानदारी इसी में है कि वह एक व्यवस्था द्वारा लादी गई सारी नैतिक विकृति को भी अस्वीकार करे और उसके द्वारा आरोपित सारी झूठी मर्यादाओं को भी, क्योंकि दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू होते हैं । लेकिन हम यह विद्रोह नहीं कर पाते, अतः नतीजा यह होता है कि जमुना की तरह हर परिस्थिति में समझौता करते जाते हैं ।

(घ) वैद्यजी को तब बताया गया कि हमें जनता के सामने आदर्श उपस्थित करना चाहिए । ऐसा न हुआ तो जनता का आचरण बिगड़ जाएगा । वह बिगड़ा तो पूरा देश बिगड़ेगा, वर्तमान बिगड़ेगा और भविष्य बिगड़ेगा । राम ने क्या किया था ? सीता का त्याग किया था कि नहीं ? तभी हम आज तक राम-राज्य की याद करते हैं । त्याग द्वारा भोग करना चाहिए । यही हमारा आदर्श है । 'तेन त्यक्तेन भुंजीथा' — कहा भी गया है । आज भी सभी यशस्वी नेता यही करते हैं, भोग करते हैं, फिर उसका त्याग करते हैं, फिर त्याग द्वारा भोग करते हैं ।

2. 'राग-दरबारी' में निहित राजनीतिक-व्यंग्य का संदर्भ स्पष्ट करते हुए उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए । *10*

3. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास के प्रमुख नारी-पात्रों का चरित्र-विश्लेषण करते हुए धर्मवीर भारती की नारी-विषयक दृष्टि का महत्त्व बताइए । *10*

4. औपन्यासिक शिल्प की दृष्टि से 'ज़िन्दगीनामा' का विवेचन कीजिए । *10*

5. " 'झूठा-सच' को विभाजन की प्रामाणिक अभिव्यक्ति के रूप में एक महत्त्वपूर्ण रचना स्वीकार किया गया है ।" आप इस मत से कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए । *10*

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) 'झूठा-सच' का नायक

   (ख) 'ज़िंदगीनामा' का प्रतिपाद्य

   (ग) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' का भाषिक-सौंदर्य

   (घ) 'राग-दरबारी' में परिवेश-चित्रण